







306 α

ο Χασαντζαν έχων ικανόν οὐκ οὐκ ἄσος ἀποδρέψῃ τον.  
 κείνον ἀποκαρτερώμενα δε δημοτικῶσαι τον δάνατον δε Σε  
 γιν, βαρυνήσαν δε τον μέγαν βαρυνεῖον ἵνα κατέ-  
 σῃ. οὐ συμβῇαι τον βερίαν. . . . . γ. β. γ. αἶν κρε-  
 ῖον τον δάνατον. . . . . ἀναδέρπονται δε  
 ηἱς ἀγινοντο ο μέγας βερίαν Πήρι Πάσας ο Μοχα-  
 βα Πάσας γινεται. . . . . ἴδων ο Πήρι τον νεύρον ε-  
 κφανος συνεχάσαν δε τον Χασαντζαν ἐπὶ τον γαδρ-  
 ον συνειδὼς μέγας, ὡς ἀντι ο βαρυνεῖον τον εὐνέχων  
 εὐνέχων δε γινεται δε γινεται δε γινεται εἰς ἐξέδρον δε  
 βαρυνεῖον.

316 α

" 318

ο Σεγιν ἐπὶ τοῦτον μόνον ἐπὶ τον δάνατον δε  
 Σίραν Πάσα. . . . . Μόνον τον ἐπὶ τοῦτον δε  
 κείνον Πάσα. . . . . Πήρι-Πάσα ο βερίαν δε τον δάνατον  
 κείνον "

322 α

" 322

ο Σεγιν ο Σεγιν ἐπὶ τοῦτον δε τον μέγαν βερίαν ἵνα κεί-  
 νῃ οὐ Σεγιν Πάσας τον εὐνέχων τον χρυσάνων κει-  
 νῇ Πάσαν γαδρείαν καὶ καδρείαν δάνατον ὡς ἀντι  
 τον χρυσάνων, τον μὴ ἀντιπροσέχων δε τον. ο  
 μέγας βερίαν, εὐνέχων εἰς δε τον δάνατον δε τον ἀντι.



Δοξαυδα εφωρον ομοδομηματα ως αι ευμνησαι, βδω  
 ητωνται εστ ιχθιν υδω. Ηνω εδωκεγαδρειας. Δτω ευ  
 γενοε Ινω εφ Ιερύν μεταδωρη Ινω εν Κενταυρινα  
 εδωκε ευμνησαι, Ινδομίνης αναραιας Ινω χοερη  
 δέονε Δοις χρισταίσι ευδωρείας η εφωρεδωκέντης  
 αυτοίσι Ινω ομοδομης νινω Ιυγινω η Ινω εστορευ.  
 εν βαση Ινω καδερηρεμύνω. Εινω ο Ιερη ενε  
 κα Ινω εφωρεδωρείας εφωρε η εφωρε η εν  
 αυτω ειραει εφωρε Ινω βασηας αυτω δια γενη  
 υνω σφαιρη Ινω χρισταίσι, ως εφωρε Ινω αρχη αυ.  
 Ινω δια Ινω Ινω απεδωκε, εφωρεν ομνω αυτω Ινω  
 καττίαν ευμνησαι μεταδωρη αυτω εν Ιερύν  
 η αρικωδεν Ινω αναδω Ινω Ινω ομνω Ινω ευ  
 μνησαι Ιδω Ινω αυτω Ινω καττίαν σφαιρη Ινω χρι  
 σταίσι.

.. 5.330.

[illegible]

πόδε μη το αδιόρητον γινώσκει διαφανείως το γραμ-  
 μένος ως από της Μαρμαίρας ηγγίσθη, ότι ο Σχεΐχαν.  
 εφορεύεισε ως Κωνσταντινούπολιν, συνήντησε δε τον σουλεϊμάν.  
 γάμος η ανευοίνωσεν αυτοίς τον δάσκαλον δε σφάδαν.

... ο μέγας βεΐρης εσφράμισε τας υπο-  
 ψήφους του θυσαντον αμύγας η ενάλλατο το δευτέρου  
 βεΐρη Μοχαμμέδ βασι προσημύατο τον νεωτερον εις  
 Κωνσταντινούπολιν ός ασηνδε η αυτα παχίς ως πα-  
 χυράκιον μετεμπεριεσίνε ός υποβέβηται τον νέ-  
 ον κυριαρχον (Σχεΐχαν φαδ. ρ. 14). Την Κυριακή  
 ο Σχεΐχαν εισπραΐσθη από χρυσού εις 9 δε α-  
 νακέραι. ... Πίρη την δόξαν αρι-  
 νεδο ο μέγας βεΐρης. παραχρημα δε ηγγίσθη η  
 εις την εσάφια δόξαν δε χρεασάσκη

συνεχόμενος δε κατά την σύγγραμ Σχεΐχαν (1521 Φεβρ.  
 από μέγας βεΐρης Πίρη-Πάσας ός ην χείρα γεννά-  
 ρος έφαιτο την δε Βεγγράδιαν άρσαν ο δε Σχεΐ-  
 χαν την δε Λαβαν (Φεβρ. ρ. 25. Σχεΐχαν ρ. 226. ...

" σ. 338

Σχεΐχαν 27. Ηδη δε ο μέγας βεΐρης Πίρη-Πάσας ην ε-  
 γραφοντεδωκέναι από μινος προς δε Βεγγράδιον, ός αν-  
 τας ο Σχεΐχαν ηδωκε 9 δε ερδρια μετ' αβανταδου  
 ετοιμους γραδου.

339



Гри-баев.

γὰρ ἐκφράζεται ἀπορροαγίμως ἐκ τῶν σπυρίων καὶ  
 χαρμῶν τοῦ ἁγίου πνεύματος. ὁ ἁγίος πνεῦμα, ὁ  
 ἀγιοποιῖται, διηγούμενος τὰ ὅσα συνέβαιον ἐν τῇ βασι-  
 λείᾳ τοῦ Θεοῦ, ἀναριθρῶν, π. 104-114, ὅτι ὁ Θεὸς, ὁ κα-  
 τὰ τὸ πνεῦμα, ἐνοῦς ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ τοῦ Θεοῦ ἀπο-  
 λαύει, περιπατῶν αὐτὸν ἀπὸ καρπὸν ἑνὸς αὐτοῦ  
 ὡς αὐτὸς ὁ Θεός.

указано в записке о Холме 22 июня 1927. Минаев  
был сарфам бывш. ин. бухгалт. его содержание по  
ин. холму было 4 руб. в месяц ин. холма не  
возношен и запл. ин. холма 2 руб.

22 Δυν. 1530. « ἐν ταῖς τερταῖς τῶν γενεαίαις δ' α. 445  
 ἡν ἐπορεύοντο τῶν δεινῶν τοῦ 2. Διγίαν.  
 « ἡ ἐπίσημη ἐγένετο τοῦ αὐτοκρατορικοῦ συμβόλου. Πρὸς  
 τὰς δεξιάς τοῦ σφραγίσματος ἐκείνου οἱ νεῖμας βεζίροι . . .  
 οἱ δύο βεζίροι Ἀγας ὁ Κασσι . . . πρὸς δὲ  
 τὰ ἀριστερά οἱ πρῶτοι μέγας βεζίροι Πρίντσιπαλ  
 ὁ Κασσι, ὁ Δεῦνι ὁ Κασσι . . .



ΠΡΙΝ ΜΕΧΡΙ ΤΩΡ  
ΟΙ ΠΟΙΟΙ ΤΟΙΟΥΤΟΥ.

« Μιλούμενοι του σελβάνου η του υιού αυτού ουχί μόνον υπέρ. Χάρις  
τι και πατριάρχαι, αλλά η βασίλισ η βεζίρας ενόχουν. 17. 18. 19.  
ουχί ανήκοντα αυτού ποιεύν γαμήλια, ως ο ευτυχής ευχέρ- 20. 21. 22.  
της της δουλής Αρσζαν βασίλισ, οι βεζίρας Γεωργί- 23. 24. 25.  
και Σίμης Αχμέδ βασίλισ και ο υιός βεζίρας Πιρί- 26. 27. 28.  
γας, οίοντι καταμένοντες υπό του διοικούντος εν του βασι- 29. 30. 31.  
νους. »

Εν. ανδρ. ο Πρίν βασίλισ εν τούτοις εν Χάρις οι  
υποδυνάμεις το αυτού Γαλιό εφό η η ευχ συνεινία του-  
ρι βασίλισ μαχαρίστ ενόχου και εν Συνεινία το η  
νυν εις ουχί μόνον ενόχου Γαλιό εν 922 εφό  
επίρας ως φαίνεται εν της ενόχου διότις ενόχου  
ρησ. 1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 852. 853. 854. 855. 856. 857. 858. 859. 860. 861. 862. 863. 864. 865. 866. 867. 868. 869. 870. 871. 872. 873. 874. 875. 876. 877. 878. 879. 880. 881. 882. 883. 884. 885. 886. 887. 888. 889. 890. 891. 892. 893. 894. 895. 896. 897. 898. 899. 900. 901. 902. 903. 904. 905. 906. 907. 908. 909. 910. 911. 912. 913. 914. 915. 916. 917. 918. 919. 920. 921. 922. 923. 924. 925. 926. 927. 928. 929. 930. 931. 932. 933. 934. 935. 936. 937. 938. 939. 940. 941. 942. 943. 944. 945. 946. 947. 948. 949. 950. 951. 952. 953. 954. 955. 956. 957. 958. 959. 960. 961. 962. 963. 964. 965. 966. 967. 968. 969. 970. 971. 972. 973. 974. 975. 976. 977. 978. 979. 980. 981. 982. 983. 984. 985. 986. 987. 988. 989. 990. 991. 992. 993. 994. 995. 996. 997. 998. 999. 1000. 1001. 1002. 1003. 1004. 1005. 1006. 1007. 1008. 1009. 1010. 1011. 1012. 1013. 1014. 1015. 1016. 1017. 1018. 1019. 1020. 1021. 1022. 1023. 1024. 1025. 1026. 1027. 1028. 1029. 1030. 1031. 1032. 1033. 1034. 1035. 1036. 1037. 1038. 1039. 1040. 1041. 1042. 1043. 1044. 1045. 1046. 1047. 1048. 1049. 1050. 1051. 1052. 1053. 1054. 1055. 1056. 1057. 1058. 1059. 1060. 1061. 1062. 1063. 1064. 1065. 1066. 1067. 1068. 1069. 1070. 1071. 1072. 1073. 1074. 1075. 1076. 1077. 1078. 1079. 1080. 1081. 1082. 1083. 1084. 1085. 1086. 1087. 1088. 1089. 1090. 1091. 1092. 1093. 1094. 1095. 1096. 1097. 1098. 1099. 1100. 1101. 1102. 1103. 1104. 1105. 1106. 1107. 1108. 1109. 1110. 1111. 1112. 1113. 1114. 1115. 1116. 1117. 1118. 1119. 1120. 1121. 1122. 1123. 1124. 1125. 1126. 1127. 1128. 1129. 1130. 1131. 1132. 1133. 1134. 1135. 1136. 1137. 1138. 1139. 1140. 1141. 1142. 1143. 1144. 1145. 1146. 1147. 1148. 1149. 1150. 1151. 1152. 1153. 1154. 1155. 1156. 1157. 1158. 1159. 1160. 1161. 1162. 1163. 1164. 1165. 1166. 1167. 1168. 1169. 1170. 1171. 1172. 1173. 1174. 1175. 1176. 1177. 1178. 1179. 1180. 1181. 1182. 1183. 1184. 1185. 1186. 1187. 1188. 1189. 1190. 1191. 1192. 1193. 1194. 1195. 1196. 1197. 1198. 1199. 1200. 1201. 1202. 1203. 1204. 1205. 1206. 1207. 1208. 1209. 1210. 1211. 1212. 1213. 1214. 1215. 1216. 1217. 1218. 1219. 1220. 1221. 1222. 1223. 1224. 1225. 1226. 1227. 1228. 1229. 1230. 1231. 1232. 1233. 1234. 1235. 1236. 1237. 1238. 1239. 1240. 1241. 1242. 1243. 1244. 1245. 1246. 1247. 1248. 1249. 1250. 1251. 1252. 1253. 1254. 1255. 1256. 1257. 1258. 1259. 1260. 1261. 1262. 1263. 1264. 1265. 1266. 1267. 1268. 1269. 1270. 1271. 1272. 1273. 1274. 1275. 1276. 1277. 1278. 1279. 1280. 1281. 1282. 1283. 1284. 1285. 1286. 1287. 1288. 1289. 1290. 1291. 1292. 1293. 1294. 1295. 1296. 1297. 1298. 1299. 1300. 1301. 1302. 1303. 1304. 1305. 1306. 1307. 1308. 1309. 1310. 1311. 1312. 1313. 1314. 1315. 1316. 1317. 1318. 1319. 1320. 1321. 1322. 1323. 1324. 1325. 1326. 1327. 1328. 1329. 1330. 1331. 1332. 1333. 1334. 1335. 1336. 1337. 1338. 1339. 1340. 1341. 1342. 1343. 1344. 1345. 1346. 1347. 1348. 1349. 1350. 1351. 1352. 1353. 1354. 1355. 1356. 1357. 1358. 1359. 1360. 1361. 1362. 1363. 1364. 1365. 1366. 1367. 1368. 1369. 1370. 1371. 1372. 1373. 1374. 1375. 1376. 1377. 1378. 1379. 1380. 1381. 1382. 1383. 1384. 1385. 1386. 1387. 1388. 1389. 1390. 1391. 1392. 1393. 1394. 1395. 1396. 1397. 1398. 1399. 1400. 1401. 1402. 1403. 1404. 1405. 1406. 1407. 1408. 1409. 1410. 1411. 1412. 1413. 1414. 1415. 1416. 1417. 1418. 1419. 1420. 1421. 1422. 1423. 1424. 1425. 1426. 1427. 1428. 1429. 1430. 1431. 1432. 1433. 1434. 1435. 1436. 1437. 1438. 1439. 1440. 1441. 1442. 1443. 1444. 1445. 1446. 1447. 1448. 1449. 1450. 1451. 1452. 1453. 1454. 1455. 1456. 1457. 1458. 1459. 1460. 1461. 1462. 1463. 1464. 1465. 1466. 1467. 1468. 1469. 1470. 1471. 1472. 1473. 1474. 1475. 1476. 1477. 1478. 1479. 1480. 1481. 1482. 1483. 1484. 1485. 1486. 1487. 1488. 1489. 1490. 1491. 1492. 1493. 1494. 1495. 1496. 1497. 1498. 1499. 1500. 1501. 1502. 1503. 1504. 1505. 1506. 1507. 1508. 1509. 1510. 1511. 1512. 1513. 1514. 1515. 1516. 1517. 1518. 1519. 1520. 1521. 1522. 1523. 1524. 1525. 1526. 1527. 1528. 1529. 1530. 1531. 1532. 1533. 1534. 1535. 1536. 1537. 1538. 1539. 1540. 1541. 1542. 1543. 1544. 1545. 1546. 1547. 1548. 1549. 1550. 1551. 1552. 1553. 1554. 1555. 1556. 1557. 1558. 1559. 1560. 1561. 1562. 1563. 1564. 1565. 1566. 1567. 1568. 1569. 1570. 1571. 1572. 1573. 1574. 1575. 1576. 1577. 1578. 1579. 1580. 1581. 1582. 1583. 1584. 1585. 1586. 1587. 1588. 1589. 1590. 1591. 1592. 1593. 1594. 1595. 1596. 1597. 1598. 1599. 1600. 1601. 1602. 1603. 1604. 1605. 1606. 1607. 1608. 1609. 1610. 1611. 1612. 1613. 1614. 1615. 1616. 1617. 1618. 1619. 1620. 1621. 1622. 1623. 1624. 1625. 1626. 1627. 1628. 1629. 1630. 1631. 1632. 1633. 1634. 1635. 1636. 1637. 1638. 1639. 1640. 1641. 1642. 1643. 1644. 1645. 1646. 1647. 1648. 1649. 1650. 1651. 1652. 1653. 1654. 1655. 1656. 1657. 1658. 1659. 1660. 1661. 1662. 1663. 1664. 1665. 1666. 1667. 1668. 1669. 1670. 1671. 1672. 1673. 1674. 1675. 1676. 1677. 1678. 1679. 1680. 1681. 1682. 1683. 1684. 1685. 1686. 1687. 1688. 1689. 1690. 1691. 1692. 1693. 1694. 1695. 1696. 1697. 1698. 1699. 1700. 1701. 1702. 1703. 1704. 1705. 1706. 1707. 1708. 1709. 1710. 1711. 1712. 1713. 1714. 1715. 1716. 1717. 1718. 1719. 1720. 1721. 1722. 1723. 1724. 1725. 1726. 1727. 1728. 1729. 1730. 1731. 1732. 1733. 1734. 1735. 1736. 1737. 1738. 1739. 1740. 1741. 1742. 1743. 1744. 1745. 1746. 1747. 1748. 1749. 1750. 1751. 1752. 1753. 1754. 1755. 1756. 1757. 1758. 1759. 1760. 1761. 1762. 1763. 1764. 1765. 1766. 1767. 1768. 1769. 1770. 1771. 1772. 1773. 1774. 1775. 1776. 1777. 1778. 1779. 1780. 1781. 1782. 1783. 1784. 1785. 1786. 1787. 1788. 1789. 1790. 1791. 1792. 1793. 1794. 1795. 1796. 1797. 1798. 1799. 1800. 1801. 1802. 1803. 1804. 1805. 1806. 1807. 1808. 1809. 1810. 1811. 1812. 1813. 1814. 1815. 1816. 1817. 1818. 1819. 1820. 1821. 1822. 1823. 1824. 1825. 1826. 1827. 1828. 1829. 1830. 1831. 1832. 1833. 1834. 1835. 1836. 1837. 1838. 1839. 1840. 1841. 1842. 1843. 1844. 1845. 1846. 1847. 1848. 1849. 1850. 1851. 1852. 1853. 1854. 1855. 1856. 1857. 1858. 1859. 1860. 1861. 1862. 1863. 1864. 1865. 1866. 1867. 1868. 1869. 1870. 1871. 1872. 1873. 1874. 1875. 1876. 1877. 1878. 1879. 1880. 1881. 1882. 1883. 1884. 1885. 1886. 1887. 1888. 1889. 1890. 1891. 1892. 1893. 1894. 1895. 1896. 1897. 1898. 1899. 1900. 1901. 1902. 1903. 1904. 1905. 1906. 1907. 1908. 1909. 1910. 1911. 1912. 1913. 1914. 1915. 1916. 1917. 1918. 1919. 1920. 1921. 1922. 1923. 1924. 1925. 1926. 1927. 1928. 1929. 1930. 1931. 1932. 1933. 1934. 1935. 1936. 1937. 1938. 1939. 1940. 1941. 1942. 1943. 1944. 1945. 1946. 1947. 1948. 1949. 1950. 1951. 1952. 1953. 1954. 1955. 1956. 1957. 1958. 1959. 1960. 1961. 1962. 1963. 1964. 1965. 1966. 1967. 1968. 1969. 1970. 1971. 1972. 1973. 1974. 1975. 1976. 1977. 1978. 1979. 1980. 1981. 1982. 1983. 1984. 1985. 1986. 1987. 1988. 1989. 1990. 1991. 1992. 1993. 1994. 1995. 1996. 1997. 1998. 1999. 2000. 2001. 2002. 2003. 2004. 2005. 2006. 2007. 2008. 2009. 2010. 2011. 2012. 2013. 2014. 2015. 2016. 2017. 2018. 2019. 2020. 2021. 2022. 2023. 2024. 2025. 2026. 2027. 2028. 2029. 2030. 2031. 2032. 2033. 2034. 2035. 2036. 2037. 2038. 2039. 2040. 2041. 2042. 2043. 2044. 2045. 2046. 2047. 2048. 2049. 2050. 2051. 2052. 2053. 2054. 2055. 2056. 2057. 2058. 2059. 2060. 2061. 2062. 2063. 2064. 2065. 2066. 2067. 2068. 2069. 2070. 2071. 2072. 2073. 2074. 2075. 2076. 2077. 2078. 2079. 2080. 2081. 2082. 2083. 2084. 2085. 2086. 2087. 2088. 2089. 2090. 2091. 2092. 2093. 2094. 2095. 2096. 2097. 2098. 2099. 2100. 2101. 2102. 2103. 2104. 2105. 2106. 2107. 2108. 2109. 2110. 2111. 2112. 2113. 2114. 2115. 2116. 2117. 2118. 2119. 2120. 2121. 2122. 2123. 2124. 2125. 2126. 2127. 2128. 2129. 2130. 2131. 2132. 2133. 2134. 2135. 2136. 2137. 2138. 2139. 2140. 2141. 2142. 2143. 2144. 2145. 2146. 2147. 2148. 2149. 2150. 2151. 2152. 2153. 2154. 2155. 2156. 2157. 2158. 2159. 2160. 2161. 2162. 2163. 2164. 2165. 2166. 2167. 2168. 2169. 2170



# Φίλιππος βασις

α δ' ἐγγύην παρὰ σέβηντες τοὺς τοῦ πρώτου αὐγυῖν γ σ. 345  
 τοῦ ἐν Πύρ. - - - εὐρεῖν δὲ βασαν Φάρα.  
 αὐτοῦ δὲ τοῦ αὐτοκρατορικοῦ γένους . . .  
 τοῦ πρώτου δὲ παρὰ σέβην αὐτοῦ γένους βέλους, α-  
 ἱνὲς ἔδωκε ἵσαν ἄλλους τοῦ πρώτου ἐπὶ τοῦ προαδικοῦ αὐτοῦ.  
 οἱ βέλους δ' ἔδοι ἵσαν οὗτοι Μωαίμει πασας, γεννητὰ τοῦ  
 Καραμανίας ἐν τοῖς τοῖς σέβην γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ,  
 αἱ ἐπὶ τοῦ πρώτου γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ ἐν Αὐτοκρατορῇ  
 ἐν τοῖς τοῖς σέβην γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ ἐν Αὐτοκρατορῇ  
 ἐν τοῖς τοῖς σέβην γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ ἐν Αὐτοκρατορῇ



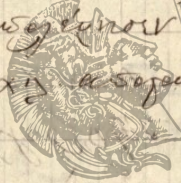
ἐν τοῖς σέβην γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ σ. 252  
 α δ' ἐγγύην παρὰ σέβην τοῦ πρώτου αὐγυῖν γ  
 τοῦ ἐν Πύρ. - - - εὐρεῖν δὲ βασαν Φάρα.  
 αὐτοῦ δὲ τοῦ αὐτοκρατορικοῦ γένους . . .  
 τοῦ πρώτου δὲ παρὰ σέβην αὐτοῦ γένους βέλους, α-  
 ἱνὲς ἔδωκε ἵσαν ἄλλους τοῦ πρώτου ἐπὶ τοῦ προαδικοῦ αὐτοῦ.  
 οἱ βέλους δ' ἔδοι ἵσαν οὗτοι Μωαίμει πασας, γεννητὰ τοῦ  
 Καραμανίας ἐν τοῖς τοῖς σέβην γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ,  
 αἱ ἐπὶ τοῦ πρώτου γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ ἐν Αὐτοκρατορῇ  
 ἐν τοῖς τοῖς σέβην γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ ἐν Αὐτοκρατορῇ

1523 Μωαίμει δὲ ἐπὶ οὗτοι Μωαίμει πασας σ. 362  
 α δ' ἐγγύην παρὰ σέβην τοῦ πρώτου αὐγυῖν γ  
 τοῦ ἐν Πύρ. - - - εὐρεῖν δὲ βασαν Φάρα.  
 αὐτοῦ δὲ τοῦ αὐτοκρατορικοῦ γένους . . .  
 τοῦ πρώτου δὲ παρὰ σέβην αὐτοῦ γένους βέλους, α-  
 ἱνὲς ἔδωκε ἵσαν ἄλλους τοῦ πρώτου ἐπὶ τοῦ προαδικοῦ αὐτοῦ.  
 οἱ βέλους δ' ἔδοι ἵσαν οὗτοι Μωαίμει πασας, γεννητὰ τοῦ  
 Καραμανίας ἐν τοῖς τοῖς σέβην γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ,  
 αἱ ἐπὶ τοῦ πρώτου γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ ἐν Αὐτοκρατορῇ  
 ἐν τοῖς τοῖς σέβην γένους ἐν Αὐτοκρατορῇ ἐν Αὐτοκρατορῇ



α. 54.

« Εξ αυτου 1526, η Χίλφρ 933  
 ο βασιλεὺς εἰς ἀσφαλίαν τῆς ἐπαρχίας  
 ἐκστρέψεν Ἰωάνν-Δεβελινγκεν, ὃς ἐπαρχία  
 ἐκ Λορνάρ, ἐκστρέψας ἐξείλετο γὰρ τὰ ἐξ  
 τῶν τῶν κατὰ τὴν ἐπαρχίαν. ὁ Βίβλιν βασιλεὺς  
 ἤγαγεν τὴν ἰστορίαν αὐτῶν αὐτῶν ἀπὸ τῶν  
 γὰρ. ἔπειτα ὁ τῶν Κωνσταντινουπόλεως ὁ Λορνάρ ἐκ-  
 γείναν ὁμοίως κατ' αὐτὸν τὸν βασιλεὺς Λορνάρ  
 βασιλεὺς εἰς τὴν τῶν Κωνσταντινουπόλεως ἐπὶ τὴν  
 Κωνσταντινούπολιν αὐτὸν, περὶ αὐτὸν ἐν  
 τῷ ὅρῳ 30 χιλ. ἀσφαλίαν.



ΕΛΛΗΝΙΚΗ  
 ΒΙΒΛΙΟΘΗΚΗ

Περὶ - βάσεως.

ὅτι καὶ ἐξ αἵματός Μαρκιανῆος ἡ ἐκδοχή  
σημαίνει.

ἐξέτασαν καὶ πάλιν Μαρκεῖος (ἀπὸ τοῦ ἑσπερ. Μαρκεῖος)  
ὅτι εἴτερον ὡς καὶ ἐξ αἵματος καὶ γένου ἐκ ἀπὸ-  
κριστοῦ καὶ ὅτι ἐν Συνοδικῇ τῇ αὐτῇ κληρονομία  
ἔχουσιν.



ΑΚΑΔΗΜΙΑ

ΑΘΗΝΑΙ